



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 19, 1988/पौष 29, 1909

No. 49]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 19, 1988/PAUSA 29, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

जल-मूल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1988

अधिसूचना

का.प्र. 116 (प्र) —बुकि केंद्र सरकार की यह राय है कि
फर्बर्ट सीमेंट लिमिटेड प्रा. लि. द्वारा, कलकत्ता और इंडियन नेशनल शिप
ओल्स एंजिनियरिंग, बम्बई के बीच यहाँ संलग्न शिड्यूल में निश्चित मामलों
के संबंध में आधिकारिक विवाद है,

और बुकि केंद्र सरकार उक्त विवाद को अधिनियम के लिए संलग्न
वांछनीय समझती है ;

अतः अब केन्द्र सरकार कलकत्ता वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम,
1958 (1958 का 44) की धारा 150 की उप धारा (1) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त विवाद को भारत सरकार,
जल-मूल परिवहन मंत्रालय के एस. ओ. संख्या 970(ई), भारत के
द्रोणधारण राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 3-11-87
में प्रकाशित, द्वारा उक्त दिवस के पास अधिनियम के लिए भेजती है।

175 GI/88

नियुक्त

"बुकि, फर्बर्ट सीमेंट लिमिटेड प्रा. लि. द्वारा, कलकत्ता के 13-6-1987
के मांग-पत्र (प्रतिनिधि अनुबंध में) में निहित मांगों में जहाज बेतन, बचो,
सेवा शर्तों, सीमेंट की स्वीकार्य कूल साधों, भुगतान करने की नौवहन उद्योग
की क्षमता और नेशनल मेरीटाइम बोर्ड के न्यायवधान में इंडियन नेशनल
शिप ओल्स एंजिनियरिंग और नेशनल सीमेंट लिमिटेड प्रा. लि. द्वारा
पहुँचे किए जा चुके शर्तों को ध्यान में रखते हुए आचिरीय है ? यदि
हां तो सीमेंट कितनी मात्रा के लिए इच्छा है।"

[का.प्र. संख्या की-18018/3/87-एम टी]

पी की राव, संयुक्त सचिव

अनुबंध

मांगों के चाटेर के संबंध में फर्बर्ट सीमेंट लिमिटेड प्रा. लि. द्वारा,
कलकत्ता द्वारा सचिव, जल-मूल परिवहन मंत्रालय का संबोधित पत्र
सं. एफ एस यू धार्म/एन एम बी-(सी एल सी)---() 20552/87 दिनांक
13 जून 1987 की प्रति

(1)

यह आपकी जानकारी में है कि पिछला द्विपक्षीय करार, यथा राष्ट्रीय मैनोटाइम बोर्ड (भारत)—1984 का करार, 31 मार्च, 1986 को समाप्त हो गया है। इस परिपक्ष की जो कि कनकता—प्राध्वारित रजिस्टर्ड सीमैन के लिए वेतन संबंधी बातचीत करने वाले निकाय के तौर पर एक मात्र मान्यता प्राप्त तथा बागतिग एजेंसी है, वे संबंधित जहाज मालिकों और उनके एमोमिग्रणों लष्ठा राष्ट्रीय मैनोटाइम बोर्ड (भारत) के जहाज मालिक पक्ष के समक्ष दिनांक 6 फरवरी, 1986 को अपनी मांगों का पॉर्टर पेश किया था।

लेकिन जहाज मालिकों ने न तो सीमैन की मांगों की निपटान किया है और न ही हों किसी भी फोरम में विचार विमर्श के लिए आमंत्रित किया है। तथापि उन्होंने अपनी ओर से नेशनल यूनियन ऑफ सीकेयरर्स ऑफ इंडिया, बंबई (बंबई—प्राध्वारित रजिस्टर्ड सीमैन की एक मान्यता प्राप्त यूनियन) के साथ किए गए करार की धोने की राय कोशिश की है।

अतः निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत की गई मांगों का तत्काल निपटान करना जरूरी है :—

1. मूल वेतन—विद्यमान मूल वेतन में 40% वृद्धि।
 2. पूरक—मूल वेतन का 40% पूरक के रूप में।
 3. समुद्रोपर भत्ता—मूल वेतन का 40% समुद्रोपर भत्ते के रूप में।
 4. वरिष्ठता भत्ता—प्रत्येक 5 वर्ष के बाद हर अवस्था पर 25 रुपए वरिष्ठता भत्ते के रूप में।
 5. टैकर भत्ता—मूल वेतन का 25% टैकर भत्ते के रूप में।
 6. टनेज भत्ता—प्रत्येक सीमैन जो निम्नलिखित टनेज के जहाजों पर कार्यरत है, जिनमें टैकर, यात्री जहाज और बल्क कैरियर शामिल हैं, मध्य वेतन और भत्तों के प्रतिरिक्त निम्नलिखित राशि का हस्तांतर होगा :—
- | | | |
|--------------|---------------------|-----------------|
| (क) जी आर टी | 15,001 से 25,000 तक | —मूल वेतन का 8% |
| (ख) " | 25,001 से 30,000 तक | — " " 10% |
| (ग) " | 30,001 से 35,000 तक | — " " 12% |
| (घ) " | 35,001 से 40,000 तक | — " " 14% |
| (ङ) " | 40,001 से 50,000 तक | — " " 17% |
| (च) " | 50,001 से 60,000 तक | — " " 20% |
| (छ) " | 60,001 से 70,000 तक | — " " 23% |
| (ज) " | 70,001 से अधिक | — " " 25% |

7. बोनस—मूल वेतन, पूरक, समुद्रोपर भत्ते, प्रमाणपत्र भत्ते, वरिष्ठता भत्ते, प्रमाणपत्र भत्ते। टैकर भत्ते (केवल टैकरों के लिए) टनेज भत्ते (यदि कोई हो) का 20% बोनस के रूप में।

8. वेतन के साथ निर्वह—

10 (एस) दिन का मूल, पूरक, समुद्रोपर भत्ता, वरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता, टैकर भत्ता (केवल टैकरों के लिए), टनेज भत्ता (जी. आर. टी. 15,000 से अधिक) सेवा के प्रत्येक महीने के लिए जिसमें 40 रुपए प्रतिदिन की दर पर निर्वह भत्ता शामिल है।

9. निर्वहन भत्ता—(क) पेड अवकाश अथवा किसी भी प्रकार के रिटायर पर 40 रुपए प्रतिदिन।

(ख) भारत में ट्राजिट पर और साइन करने की प्रवधि में जहाज पर उबाइन करने की प्रवधि के दौरान 50 रुपए प्रतिदिन।

(ग) विक्रिया की प्रवधि के दौरान 60 रुपए प्रतिदिन।

(i) यदि सेलेक्शन के बाद सीमैन को अनुपयुक्त घोषित किया जाए,

(ii) यदि एक सीमैन को बीमार या घायल रूप में डिक्लार्ड किया जाए।

10. प्रमाणपत्र भत्ता—(क) जिनके पास बाव कोपिंग प्रमाणपत्र हो, उन्हें 50 रुपए प्रति माह।

(ख) जिनके पास ए. बी और प्रथम लाइफ बोट और/अथवा अग्नि शमन और/अथवा सबमिनील एट सी प्रमाणपत्र हो 30 रु. प्रतिमाह प्रत्येक प्रमाणपत्र अथवा प्रमाणपत्रों के लिए, सैफिड क्लॉस वीएलएट प्रमाणपत्र के लिए 50 रु. प्रतिमाह फस्ट क्लास वीएलएट प्रमाणपत्र के लिए 75 रु. प्रतिमाह, सहरे समुद्र में जाने हेतु 100 प्रति माह,

11. कार्य समय—प्रति सप्ताह 40 घंटे यथा सोमवार से शुक्रवार 8 घंटे प्रतिदिन और जनिवार, रविवार अवकाश दिनांक।

12. विश्राम की प्रवधि—एक सीमैन 12 घंटे के विश्राम का हकदार होगा, यथा लगातार 4 घंटे मनोरंजन या धाराम की प्रवधि और 8 लगातार घंटे सोने के लिए। यदि किसी सीमैन से धाराम की प्रवधि के 4 घंटों में कार्य लेना अपेक्षित हो या उससे कम घंटों के लिए भी, तो वह उस प्रारम्भ प्रवधि में किए गए काम के लिए 30 रुपए के मुआवजे का हकदार होगा जो कि डबल ओवरटाइम के प्रतिरिक्त होगा, शरा प्रवधि में काम करने के लिए या उस दौरान कम प्रवधि में काम करने के लिए उसे प्रत्येक कार्य-घंटे के लिए 75 रु. डबल ओवर टाइम के प्रतिरिक्त।

13. ओवर टाइम की गणना की दर—यदि किसी सीमैन की बाव कोपर के सिवाए, 18 घंटे से 0800 घंटे तक काम करने के लिए कहा जाए तो उसे प्रत्येक कार्य प्रवधि के लिए डबल ओवरटाइम देना होगा। यदि किसी बावकोपर को धाराम की प्रवधि में और/अथवा शयन प्रवधि में काम करने के लिए कहा जाए तो प्रत्येक कार्य-घंटे के लिए उसे डबल ओवर-टाइम देना होगा।

14. ओवर टाइम की दर की गणना—मूल वेतन, पूरक, समुद्रोपर भत्ता, वरिष्ठता भत्ता, टनेज भत्ता, प्रमाण पत्र भत्ता, टैकर भत्ता, सब सिवाकर और उप राशि को 86.5 से भाग करके प्रति घंटा ओवरटाइम की दर निकालना और प्रत्येक कार्य घंटों के लिए, प्रत्येक घंटे पर ओवर टाइम का सिगल घंटा।

15. रिटेंशन भत्ता—(क) सीमैन मूल वेतन, पूरक सेने का हकदार है रिटेंशन के समय वरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता यथा (i) सेलेक्शन और साइन-भात के बाद की प्रवधि के लिए।

(ii) साइन-आफ/पिड—आफ से कार्य संबंधी पोर्ट पर वापसी तक

(iii) कार्य संबंधी पोर्ट पर वापसी से अंतिम पेमेंट—आफ तक।

(ख) 15 दिनों के मूल वेतन, बोनस, पूरक, वरिष्ठता भत्ता और प्रमाण पत्र भत्ता प्रति माह, अंतिम पेमेंट—आफ की तारीख से अगले कार्य की तारीख तक, रोटर्ज के बावशूर।

टिप्पणी—उपयुक्त के प्रतिरिक्त सीमैन प्रतिमाह मकान किराया भत्ते का हकदार होगा।

16. चिकित्सा लाभ—एक सीमैन अपने तैनाती के पतन सहित भारत के किसी पतन में बीमार हो जाता है तो वह अब तक अपने काम पर लौटने के लिए फिर घोषित नहीं कर दिया जाता जब तक वह मूल, पूरक, बरिष्ठता भत्ता, प्रमाण पत्र भत्ता तथा बोनस पाने का हकदार है।

टिप्पणी:—मेडिकल अस्वस्थता की अवधि के दौरान मकान किराया भी देय है। मेडिकल अस्वस्थता की अवधि के दौरान संबंधित सीमैन द्वारा 15 (ख) में उल्लिखित भत्ता पाने का हकदार नहीं होगा;

17. मकान किराया भत्ता—मूल वेतन का 22%, पूरक, बरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता, मकान किराया भत्ता के रूप में चाहे वह आन अथवा आक अधिकतम हो;

18. अवकाश यात्रा—एक सीमैन प्रति वर्ष अवकाश यात्रा के रूप में 2000/- रु. और अपने वेतन और भत्ते पाने का हकदार होगा;

19. परिवार चिकित्सा भत्ता—सामान्य वेतन और भत्तों के अलावा उसके परिवार के उसके अधिकृत सदस्यों के इलाज के लिए खर्च हेतु प्रति माह 150/- रु. ;

20. बर्षी धुलाई भत्ता—समुद्री यात्रा पर रहते हुए 150/- रु. प्रति माह बर्षी धुलाई भत्ता;

21. बर्षी बनाने का भत्ता—एक बर्ष/अथवा एक समुद्री यात्रा के लिए एक सीमैन को बर्षी बनाने के भत्ते के रूप में 1500/- रु. का भुगतान किया जाएगा,

22. गंगा कागों धुलाई भत्ता—कोयला, सीमेंट, कार्बन ब्लैक, पेट्रो-लियम, कोक, सल्फर, पशु चारा भारी मात्रा में अथवा ऐसे ही कागों के लावने और अथवा उतारने के समय 10/- रु. प्रति दिन;

23. शिप कीपिंग—355/- रु. प्रति राशि और शनिवार और रविवार अथवा ऐसे किसी अवकाश के दिन 70/- रु. प्रति दिन गिर कोर्पा भत्ता के रूप में प्रत्येक पोर्ट में दिया जाएगा यदि सीमैन को रोका जाता है;

24. होम टाउन यात्रा—प्रत्येक रेटिंग के लिए उसके होम टाउन से नजदीकी स्टेशन तक और होम टाउन से नौबहन कार्यालय तक का प्रथम श्रेणी का रेल किराया और हमारे भलावा अन्य खर्चों के लिए 100/- रु. का भुगतान किया जाएगा;

25. राष्ट्रीय अवकाश—एक सीमैन को निम्नलिखित 18 अवकाश दिए जाएं—

1. गणतंत्र दिवस
2. पोंगल/ओनम
3. होली
4. गुप्त फास्टे
5. नेशनल मेरीटाइम डे
6. महावीर जयंती
7. बुद्ध पूर्णिमा
8. पहली मई
9. ईद-उल-फ़ितर
10. स्वतंत्रता दिवस
11. ईद-उल-जुहा
12. मोहम्मद
13. महात्मा गांधी जन्म दिवस

14. महा अष्टमी

15. दशहरा

16. विवाली

17. गुरु नानक जन्म दिवस

18. क्रिसमस दिवस

टिप्पणी—यदि किसी नाविक को इन दिनों कार्य करने के लिए कहा जाता है तो उसे सामान्य घंटों का जोबरटाइम दिया जाएगा;

26. शार्टहैंड मैनिंग—यदि किता अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण जहाज पर रेटिंग की कमी हो जाती है, तो संबंधित रेटिंग के मूल वेतन, पूरक, विदेशी भत्ता, बोनस, टनेज भत्ता, टैकर भत्ता की तुलनी राशि संबंधित विभाग के नाविकों के बीच बांट दी जाए;

27. मृत्यु और विकलांगता मुआवजा—नेशनल मेरीटाइम बोर्ड—एमटी एफ एग्रीमेंट, 1984 के क्लॉज 101 (ए) में निर्दिष्ट मौजूदा दर का 150% प्रत्येक रेटिंग के लिए;

28. अंतरनाक कागों मुआवजा—अंतरनाक किस के कागों डोन के कारण स्थायी अक्षमता के फलस्वरूप मृत्यु या जघमी होने की दशा में और निर्दिष्ट सूची के अनुसार रेडियोधर्मी सामग्रियों, तरल कागों, कच्चे तेल, पेट्रो-लियम, डेरीवेडिम्स पेट्रोल ब्लैक पाउडर, ग्लास्टिंग कैप्स, डिटोनेटिविटी, लोड्ड वम, हथगोले, डेनामाइट, टी एन टी, सेलिम्माइट, लोड्ड जेल, टारविशी, पाइराइट या कोई ऐसा कागों जिसके लिए महानिदेशक विस्कोटक के प्रमाणपत्र की जरूरत होती है, तो नाविक को मृत्यु और विकलांगता मुआवजे के प्रतावा 50,000 रुपए की राशि मुआवजे के रूप में अदा की जाएगी ;

29. फ्लाइट बीमा—जब किसी नाविक को मासिक, एजेंट या मास्टर द्वारा हुवाई यात्रा करने को कहा जाता है, तो संबंधित मासिक, एजेंट या मास्टर अपने खर्च पर ऐसे नाविक की 1,00,000 रुपए की बीमा कराएगा और यदि मृत्यु या विकलांगता होती है तो नेशनल मेरीटाइम बोर्ड एग्रीमेंट के अनुसार मृत्यु और विकलांगता मुआवजा के अलावा यह राशि देय होगी;

30. जी. पी.—जहां जी पी रेटिंग को इस प्रकार के जहाज पर लगाया जाएगा, तो उक्त रेटिंग बड़े मूल वेतन के 20% और 25% तथा क्रमशः आंशिक रूप से समेकित जी पी मैनिंग और पूर्ण रूप से समेकित जी पी मैनिंग के लिए पारम्परिक रेटिंगों के लिए निर्धारित प्रत्येक भत्ते प्राप्त करने का हकदार होगा;

31. बेकारी का लाभ—यदि कंपनी के बंद होने या बंदे में कटौती करते या नौबहन कंपनी के विवालिया होने के कारण कोई नाविक बेकार हो जाता है या उसे फालतू घोषित कर दिया जाता है, तो प्रत्येक ऐसा नाविक इस प्रकार की गई सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए अंतिम माह का मूल वेतन, पूरक, बरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा जो 15 महीने के वेतन से कम न हो;

32. ग्रेचुटी—ग्रेचुटी के रूप में अंतिम एक माह का मूल वेतन, पूरक, बरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता और बोनस दिया जाए और तदनुसार मौजूदा ग्रेचुटी स्कीम को संशोधित किया जाए;

33. पोर्टेंज—जब कभी किसी नाविक को जहाज पर जाने या तैनाती के पतन पर जाने या कंपनी के किसी अन्य कार्य के लिए भारत में भ्रमण करना पड़ता है, तो संबंधित नाविक अन्य भत्तों के अलावा प्रत्येक प्रवर्ग पर पोर्टेंज शुल्क प्राप्त करने का हकदार होगा। और भारत के बाहर प्रत्येक बार परिवहन माधन या स्ट बदलने पर हर बार 300 रुपए;

34. पुनर्वर्गीकरण—सर्प भंडारों और भंडारी मेटों का क्रमशः कूक और क्विक्स मेट के रूप में पुनर्वर्गीकरण किया जाए;

35. छुट प्राप्त संवर्ग—कोई भी छुट प्राप्त संवर्ग नहीं होगा।

36. आवास—(क) जहाँ भी किसी नाविक को तट पर रहने की आवश्यकता होता है तो कम से कम 3 गितारा होटल में उसके रहने की व्यवस्था की जानी है;

37. भोजन—अधिकारियों एवं कमियों के बीच भोजन के संबंध में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। अधिकारी की भांति नाविक को उसके वेतनमान के आधार पर निर्धारित प्रावधान दिए जाएं (पोंक और बॉक की व्यवस्था इच्छानुसार की जानी है)

38. कार्गो जिसके लिए विशेष पारिश्रमिक दिया जाता है—

टैंक की सफाई, कार्गो हैंडलिंग, कार्गो की लैशिंग तथा अनलैशिंग, लैशिंग पदाथों को एकत्र करना। कार्गो की सुरक्षा अथवा उसे हटाने में उद्देश्य हेतु कार्गो लिफ्टिंग यंत्रों के परिचालन के लिए;

यात्रियों का सामान उठाना, जहाज के घुं में घिरे होने की अवस्था में तट पर उमर्क निगरानी रखना;

जहाज कार्गो में विविधता की संभावना के अनुसार तट अथवा जहाज के कार्गो को एकत्र करना अथवा अलग करना;

कार्गो लुप्त होने वाले बिल्डिंग की सफाई;

तट से अथवा अन्य जहाज से टनेज एवं मैट्स की हैंडलिंग;

टैंक से अथवा डैक पर से टनेज एवं गेट एकत्र करना;

चेन लॉकर बाटर टैंक (क्वालिस्ट तथा ताजे जल) की सफाई;

कार्गो कार्य की आवश्यकतानुसार डेरिक्स एवं गनटेकल्स का संभालना;

कार्गो शिफ्ट की मोवर हॉलिंग;

शिप-माइल की पेटिंग करना;

बायलर तथा स्क्रॉवेज ट्रंक्स की सफाई;

इंजिन रूक बिल्डिंग तथा टैंक टाप्स के कीचड़ की सफाई;

जेनरेटर की भरणमत;

बन्दा के लैंड लाइन्स समुद्री मार्ग से होकर गुजरने वाले जहाजों के संबंध में प्रति लॉक गेट के लिए समयोपरि भस्ते के साथ-साथ विशेष बीनस भी दिया जाता है;

समुचित कर्मचारियों द्वारा जहाज के सर्प से विन्स, एटर्न, हुलाई करना, जहाज के भंडार बक्ष में उस कार्गो को रखना और बोर्ड के भंडारों में ले जाना;

प्लेसिंग, डिमैटलिंग और रिपीसिंग के लिए सभी स्ट्रिजरो (कार्गो बेटल्स) को भुगतान किया जाएगा जब वह काम चालक दल द्वारा किया गया हो;

होल्ड्स को टनेज पेपर और मैट्स के साथ कवर किए जाने के लिए प्रति होल्ड के लिए पारिश्रमिक देय है;

होल्ड्स की सफाई, स्कैपिंग और दोहरा सीमेटींग के लिए पारिश्रमिक बहुत होगा जो फोर पीक्स और अपटर पीक में समान कार्य के लिए दिया जाता है;

बाड़े गए कार्गो की डैक अथवा होल्ड्स में शिपिंग के लिए; चाहे यह काम जहाज चलने से पहले अथवा समुद्र में मारटर के आदेश से ऐसे कार्गो को बचाने के लिए एनिहारी उपाय के रूप में किया गया हो जो खराब वशा में स्टोर किया गया हो और किसी भी हास्य में आपात स्थिति न आने देने के लिए किए गए काम के लिए विशेष पारिश्रमिक देय है;

जहाज को डाइ डाक किए जाने के मामले में यदि स्टोर्स की प्लेसिंग चालक दल द्वारा की गई हो;

सानाथ तौर पर बिल्डिंग की सफाई अथवा कार्गो स्वीपिंग के लिए;

फोर और अपटर पीक तथा किसी अन्य बेलास्ट बाटर टैंक की सफाई, स्कैपिंग और दोहरा सीमेटींग के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

ताजे पानी के टैंकों की सफाई के लिए प्रतिपूर्ति की जाएगी;

वार्षिक सर्वेक्षण के लिए मुख्य बायलरों की सामान्य सफाई के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

इंजिन रूम बिल्डिंग, टनेज और कुएं की सफाई और पेटिंग के लिए पारिश्रमिक देय है;

उंकी और आर्कजालरी बायलरों की सफाई के लिए पारिश्रमिक देय है;

इंजिन रूम और बायलर रूम में पहने के जवा हो गए अवशेष को निकालने के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

गर्भ कुएं की सामान्य सफाई के लिए अनुग्रह राशि दी जाएगी;

इंजिन मियिडरी के पिस्टनों, लाइनरों को हटाने/सफाई के लिए अनुग्रह राशि दी जाएगी;

39. करार का 1-4-1986 से लागू किया जाए क्योंकि पुराने करार की अवधि 31 मार्च, 1986 को पूरी हो गई।

दिनांक 2 जून, 1987 के न्यायालय के आदेश के अनुसरण में आपसे अनुरोध है कि आप उपर्युक्त समान विवाद दिव्यतल के पारा भेज दें जिसका उक्त न्यायालय आदेश के अनुसार गठन किया जाना अपेक्षित है।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 19th January, 1988

NOTIFICATION

S. O. 116 (E).—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the Forward Seamen Union of India, Calcutta and Indian National Shipowners Association, Bombay in respect of matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 150 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Tribunal constituted by the Government of India, Ministry of Surface Transport in S. O. No. 970 (E) published in the Gazette of India, Extraordinary Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 3-11-1987.

THE SCHEDULE

"Whether the demands of the Forward Seamen's Union of India, Calcutta, contained in their charter of demands dated 13-6-1987 (copy at annexure) are justified, having regard to

the present wage structure, conditions of service and total package of benefits admissible to the seamen, capacity of the shipping industry to pay and the agreement already entered into by the Indian National Shipowners Association and the National Union of Seafarers of India under the aegis of the National Maritime Board? If so, to what relief the seamen are entitled to."

[File No. C-18018/3/87-MT]

P. V. RAO, Jr. Secy.

ANNEXURE

Copy of the letter No. FSUI/["NMB-(CLC)"]-(I)/20552/87 dated 13th June, 1987 from the Forward Seamen's Union of India, Calcutta, addressed to the Secretary Ministry of Surface Transport, containing the Charter of Demands.

It was within your knowledge that last bipartite agreement, i.e., National Maritime Board (India) agreement of 1984, which had been expired on 31 March, 1986. This Union after having its sole recognition as well as sole bargaining agency in the Wage Negotiation Body for the Calcutta-based registered seamen, placed its charter of demands to the concerned shipowners and their Association and to the Shipowner's Side of National Maritime Board (India) on the 6th February, 1986.

But the shipowners neither settle the demands of the seamen nor they invited us for discussion in any forum. Moreover, they tried their level best to impose an agreement, settled by the National Union of Seafarers' of India, Bombay (a recognised union for Bombay-based registered seamen).

So, the disputes of the following submitted demands need to be settled immediately :—

1. Basic Pay—40 per cent increment in the existing basic ;
2. Supplement—40 per cent of basic pay as supplement ;
3. Overseas Allowance—40 per cent of basic pay as Overseas Allowance ;
4. Seniority Allowance—Rs. 25/- for every 5 years stage as Seniority Allowance ;
5. Tanker Allowance—25 per cent of basic pay as Tanker Allowance ;
6. Tonnage Allowance—Each seamen engaged on ships of under mentioned tonnage including Tankers, Passenger ships and Bulk carrier etc. ; in addition to other wages and allowances shall be entitled to receive.
 - (a) from G.R.T. 15,001 to 25,000—8 per cent of basic pay ;
 - (b) from G.R.T. 25,001 to 30,000—10 per cent of basic pay ;
 - (c) from G.R.T. 30,001 to 35,000—12 per cent of basic pay ;
 - (d) from G.R.T. 35,001 to 40,000—14 per cent of basic pay ;
 - (e) from G.R.T. 40,001 to 50,000—17 per cent of basic pay ;
 - (f) from G.R.T. 50,001 to 60,000—20 per cent of basic pay ;
 - (g) from G.R.T. 60,001 to 70,000—23 per cent of basic pay ;
 - (h) from G.R.T. 70,001 to above—25 per cent of basic pay ;
7. Bonus—20 per cent of Basic Pay, Supplement, Overseas Allowance, Certificate Allowance, Seniority Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance (for Tanker only), Tonnage Allowance (if any) as Bonus ;
8. Live with Pay—10 (ten) days' basic, supplement, overseas Allowance, Seniority Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance (for Tanker only), Tonnage Allowance (Over G.R.T. 15,000) for every month of service including Subsistence Allowance at the rate of Rs. 40/- only per day ;
9. Subsistence Allowance :—
 - (a) Rs. 40/- per day on paid leave and any type of Retention ;
 - (b) Rs. 50/- per day on transit in India and between the period of sign on to joining the vessel ;
 - (c) Rs. 60/- per day during the period of medical treatment ;
 - (i) After selection if any seaman declared unfit ;
 - (ii) If a seaman discharged ill or injured.
10. Certificate Allowance :—
 - (a) Possessing Watch—keeping Certificates Rs. 50/- per month ;
 - (b) Possessing A.B. and/or Lifeboat and/or Fire Fighting and/or Survival at Sea Certificates Rs. 30/- per month for each of such certificate or certificates, for 2nd Class Boiler Attendant Certificate Rs. 50/- per month for 1st Class Boiler Attendant Certificate Rs. 75/- per month, for Deep Sea going Certificate Rs. 100/- per month ;
11. Working Hour—40 hours a week, i.e. from Monday through Friday 8 hours per day and Saturday, Sunday to be reckoned as holiday ;
12. Period of Rest—A seaman shall be entitled to receive 12 hours of rest, i.e. consecutive 4 hours for entertainment or leisure period and 8 consecutive hours for sleep. If a seaman is required to carry out job/jobs in his leisure period of 4 hours or less he will be entitled to receive Rs. 30/- as compensation for his works in such leisure period in

addition to double overtime and Rs. 75/- for work during sleeping period or less in addition to double overtime ;

month towards the expenses for medical treatment to his dependent members of his family ;

13. Calculation of Overtime—If any seaman except watch-keeper asked to work between 18 hours to 0600 hours he will be compensated to double overtime for such per hour of work. If any watch-keeper is asked to work in his leisure period and/or sleeping period he shall be paid double overtime for such per hour of work ;

20. Uniform Washing Allowance—Rs. 150/- per month as Uniform Washing Allowance while on voyage ;

21. Uniform Making Allowance—Rs. 1,500/- to be paid as Uniform Making Allowance to a seaman for a year or a voyage ;

14. Calculation of Rate of Overtime—Basic, supplement, overseas allowance, Seniority Allowance, Tonnage Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance to be added together and the resultant will be divided by 86.5 to derive the rate of per hour of overtime ; and exceeding working hours single hour of O. T. is payable for each hour of work ;

22. Dirty Cargo Washing Allowance—Rs. 10/- per day while coal, cement, carbon black, petroleum coke, Sulphur, fertilizer including cattle food in bulk or such type of cargo as and when will be loaded and or discharged ;

23. Ship keeping—Rs. 35/- per night, and Rs. 70/- per day for Saturday and Sunday or any such holiday as ship keeping allowance in every port if the seaman is detained ;

15. Retention Allowance—(a) Seaman is entitled to receive basic pay supplement, (a) Seniority Allowance, Certificate allowance at the time of retention i.e., (i) between the period of after selection and sign on ;

24. Home Town Travel—First Class Train fare for every rating from his Home town to nearest station and from his home town to Shipping Office and in addition to that Rs. 100/- to be paid to meet with other exigences ;

(ii) from sign-off/paid-off to the return to the port of engagement ;

25. National Holiday—A seaman is to be granted the following 18 holidays :—

(iii) after return to the port of engagement to final payment-off ;

(b) 15 days basic, bonus supplement, seniority allowance and certificate allowance per month from the date of final payment-off to the next date of engagement irrespective of Rosters ;

1. Republic Day
2. Pongal/Onam
3. Holi
4. Good Friday
5. National Maritime Day
6. Mahabir Jayanti
7. Buddha Purnima
8. Ist May
9. Idd-Ul-Fitre
10. Independence Day
11. Idd-Uz-Zoha
12. Muharram
13. Mahatma Gandhi's Birthday
14. Maha Astami
15. Dashera
16. Dewali
17. Guru Nanak Birthday
18. Christmas Day.

Note :—In addition to the above, seaman will be entitled to receive House Rent Allowance per month.

Note :—If a seaman asked to work on these holidays is to be paid normal hours of overtime ;

16. Medical Benefit—A seaman discharged ill or injured at any port in India including his port of engagement is entitled to receive Basic, Supplement, Seniority Allowance, Certificate Allowance and Bonus till declared fit to resume his duty ;

Note :—House Rent is also payable during the period of Medical unfitness. During the period of Medical unfitness the concerned seaman will not be entitled to get the allowance mentioned in Clause 15 (b) ;

17. House Rent Allowance—22 per cent of basic pay, supplement, Seniority allowance, Certificate allowance, as House Rent Allowance as to whether he is either on or off articulated ;

26. Shorthand Manning—If any rating due to unavoidable circumstances fall short on board ship the concerned ratings double the basic pay, supplement, overseas allowance, bonus, tonnage allowance, tanker allowance to be paid divided equally among the seaman of concerned department ;

18. Holiday Travel—A seaman shall be entitled to receive his wages and allowance Rs. 2,000/- per year as Holiday Travel ;

19. Family Medical Allowance—In addition to normal wages and allowances Rs. 150/- per

27. **Death and Disability Compensation**—150 per cent of the existing rate as specified in Clause 101(a) of the N.M.B.—Summary of Agreement, 1984 for each rating stipulated therein ;
28. **Dangerous Cargo Compensation**—In the event of death or injury resulting in permanent incapacity owing to cargo carrying of dangerous nature and according to the stipulated list, such as, Radio active materials, liquid cargoes, Crude Oil, petroleum derivatives petrol black powder, Blasting caps, detonative caps, loaded bombs, hand grenades, dynamite, T.N.T., selignite, loaded shells, Torpedos, lyddite or any cargo which needs the certificates of Director General of S Explosives, carried on board, a seaman shall be paid compensation in addition to the death and disability compensation a sum of Rs. 50,000/- ;
29. **Flight Insurance**—When a seaman is required by the owner, agent or master to travel by Air the concerned owner, agent or master shall at his own cost insure the life of such seamen for a sum of Rs. 1,00,000/- and this amount shall be payable if any death or disability occur in addition to death and disability compensation as per N.M.B. Agreement ;
30. **G. P.**—Where the G. P. Rating will be employed for such type of vessel, the said rating is entitled to receive 20 per cent and 25 per cent of increased basic pay and each and every allowance as laid down for the conventional ratings for partially integrated G. P. Manning and fully integrated G. P. Manning respectively ;
31. **Redundancy Benefit**—If any seaman becomes redundant or declared as surplus due to winding up of company or for decrease of fleet or for insolvency of shipping company, each of such seaman shall be entitled to receive one month basic, supplement, seniority allowance and certificate allowance last drawn for every year of service so rendered but not less than 15 months' wages ;
32. **Gratuity**—One month's basic pay, supplement, Seniority Allowance, Certificate Allowance and bonus last drawn for every year of service to be paid as Gratuity and accordingly, the existing Gratuity Scheme to be amended ;
33. **Porterage**—Whenever any seaman is required to travel in India for joining the vessel or for repatriation of port of engagement or for any other business of the company the concerned seaman in addition to other allowances be entitled to receive as Porterage charge in each and every occasion. And outside India Rs. 300/- in each and every change of transport media or route ;
34. **Re-categorisation**—All the Bhandary and Bhandary Mates to be re-categorised as Crew cooks and Crew Cook's Mate respectively ;
35. **Exempted Category**—There will be no exempted Category ;
36. **Accommodation**—Whenever any seaman required to be accommodated at ashore he is to be provided with minimum 3 Star Hotel Accommodation ;
37. **Food**—There must not be any discrimination in between the officers and Crew in regard to food. The seaman must be provided with provision as per the Scale so provided to an officer (pork or beef to be provided as per choice) ;
38. **Work for which Special Remuneration is payable—**
 Hatch Cleaning ;
 Cargo handling, cargo lashing and unlash-
 ing, collecting lashing materials, secure of
 shift cargoes to operate cargo lifting devices
 for the purpose ;
 Carry passenger's Baggages ;
 Keep watch ashore when the vessel under
 fumigation ;
 Connect or disconnect shore or other ves-
 sel's cargo hoses at the vessel's manifold ;
 Cleaning cargo hold bilges ;
 Handling dunnage and mates from ashore or
 from another vessel ;
 Collecting dunnage and mats from hatch or
 on deck ;
 Cleaning chain locker, water tanks (Ballast
 & Fresh Water) ;
 Rigging of derricks and guantackles as per
 the requirement of cargo working ;
 Cargo gear overhauling ;
 Painting ship side ;
 Cleaning boiler & Scavenge trunks ;
 Sludge cleaning of engine room bilges &
 tank tops ;
 Overhauling of generator ;
 For making past ships passing through St.
 Lawrence seaway of chanda, special bonus
 as well as overtime is payable per lock gate ;
 Taking on board stores from along side the
 vessel by winch, sorting, carrying and plac-
 ing the same in the ships' store-room by the
 appropriate personnel ;
 For placing, dismantling and replacing all
 stringers (Cargo battens) shall be paid when
 the same is performed by members of the
 crew ;
 For covering the holds with dunnage paper
 and mats remuneration is payable per hold ;

For the cleaning, scrapping and double cementing of holds the remuneration is the same as that provided for the same work in the fore peaks and after peak ;

For the shifting of cargo loaded on deck or in holds; whether this is done before the vessels sailing or at sea by order of the master as a precautionary measure for securing cargo which has been badly stored and in any case to avoid an emergency occurring a special remuneration is payable ;

In case of vessel is dry docked, if the placing of stores is done by the crew ;

For cleaning the bilges ordinarily or of cargo sweepings ;

The special compensation is payable for the cleaning, scaling and double cementing of the fore and after peak also any other ballast water tanks ;

The cleaning of fresh water tanks shall be compensated ;

For the general cleaning of main boilers, for annual survey a special compensation is payable ;

For the cleaning and painting of engine room bilges, tunnel and well, a remuneration is payable ;

For the cleaning of the donkey and auxiliary boilers a remuneration is payable ;

A special compensation is payable for dumping the waste of engine room and boiler room which have accumulated during time in post ;

The general cleaning of the hot well is to be compensated ;

For removing/cleaning pistons, liners of the engine cylinders is to be compensated ;

39. Effect of the agreement to be reckoned from 1-4-1986 as, the old agreement completed the tenure on 31 March, 1986.

In pursuant to the court order dated: 2nd June, 1987, you are requested to send all the above disputes to the TRIBUNAL, which is required to be constituted as per the said Court Order.